भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 2164
गुरूवार, 04 अगस्त, 2022/13 श्रावण, 1944 (शक)

औपचारिक और गैर-औपचारिक क्षेत्रों में रोज़गार

2164. श्री विक्रमजीत सिंह साहनीः

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों में औपचारिक और गैर-औपचारिक दोनों क्षेत्रों में सरकार द्वारा सृजित नौकरियों की संख्या का क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) उन आंकड़ों का नवीनतम स्रोत क्या है जो सरकार के इस दावे का समर्थन करते हैं कि सरकार ने नए रोज़गार सृजित किए हैं;

(ग) क्या पिछले पांच वर्षों के दौरान सरकार ने रोजगार, बेरोजगारी और बाज़ार की स्थिति से संबंधित किसी भी प्रकार के वार्षिक आंकड़ों के प्रकाशन को आधिकारिक रूप से बंद कर दिया है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

(क) से (घ): वर्ष 2017-18 से सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा आयोजित आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के माध्यम से रोजगार और बेरोजगारी पर सरकारी आंकड़े एकत्र किए जाते हैं। सर्वेक्षण की अवधि जुलाई से अगले वर्ष जून तक है।

आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) रिपोर्ट के आधार पर, आर्थिक सर्वेक्षण ने सामान्य स्थिति आधार पर औपचारिक और गैर-औपचारिक क्षेत्र में रोजगार का अनुमान निम्नानुसार लगाया था:

(करोड़ में)

वर्ष	औपचारिक	गैर-औपचारिक	योग
2017-18	4.70	42.43	47.13
2018-19	5.35	43.43	48.78
2019-20	5.89	47.64	53.53

स्रोत: आर्थिक सर्वेक्षण *2021-22*

नवीनतम उपलब्ध वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्ट वर्ष 2020-21के अनुसार, सामान्य स्थिति के आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की वर्ष 2017-18 से, अनुमानित कामगार जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) इस प्रकार है:

वर्ष	डब्ल्यूपीआर **(%)**
2017-18	46.8
2018-19	47.3
2019-20	50.9
2020-21	52.6

स्रोत: पीएलएफएस, एमओएसपीआई

श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा वर्ष 2009-10 से किए गए वार्षिक रोजगार और बेरोजगारी सर्वेक्षण को वर्ष 2017 से बंद कर दिया गया था और उसके स्थान पर सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) आयोजित किया गया।

*****